गणतंत्र एक प्रयोग –

→ कुछ मामलों में ये उ.वैदिक काल की जीवन पद्धति के विरुद्ध उत्पन्न होने वाली प्रक्रिया के देन थे।

(1) सिंधुघाटी, पूर्वी उ.प्र. और बिहार के अंतर्गत हिमालय की तराइयों में

सिंधुघाटी ↓ यहां के गणराज्य, वैदिक कबीलों के अवशेष

↳ कुछ मामलों में यहां के लोग कबायली समानता के पुराने आदर्शों से प्रेरित रहे होंगे जहां एकल राजा को अधिक महत्व नहीं दिया जाता

(2) वास्तविक सत्ता सीमित लोगों के संगठनों के हाथ में। उदाहरणस्वरूप शाक्यों और लिच्छवियों के गणराज्यों में शासक वर्ग एक ही क्षेत्र गोत्र और एक ही वर्ण का होता था। मौर्योत्तरकाल में मालवों और क्षुद्रकों के गणराज्य में क्षत्रियों और ब्राह्मणों को नागरिकता मिली थी लेकिन दासों और मजदूरों को इससे बाहर रखा गया था।

(3) गणतंत्र का प्रशासन तंत्र — ex. (a) राजा, उपराजा, सेनापति, भांडागारिक (राजकोषाध्यक्ष)

(b) लिच्छवियों के गणराज्यों में एक के ऊपर एक सात न्यायपीठ थे जो एक ही मामले की सुनवाई बारी-बारी से सात बार करते थे।

(c) शासन वंशपरंपरागत राजा नहीं बल्कि जनसभाओं के प्रति उत्तरदायी लोग करते थे।

(4) गणतंत्र और राजतंत्र —

राजतंत्र	गणतंत्र
(a) राजस्व पाने का दावेदार एक मात्र राजा	(a) राजस्व का दावेदार हर गोत्र का राजन्य। उदाहरणः- न.न. लिच्छवि राजाओं में हर एक का अलग-अलग कोषागार और प्रशासनतंत्र था।
(b) विभिन्न स्वामी सेना और प्रजा को शस्त्रास्त्र रखने की अनुमति नहीं	(b) प्रत्येक राजा की अपनी छोटी-छोटी सेना
(c) ब्राह्मणों का प्रभाव	(c) आरंभिक गणराज्यों में इनका स्थान नहीं
(d) संचालन एक व्यक्ति	(d) संचालन जनतांत्रिक सभाएँ

(5) गणतंत्र की परंपरा मौर्य काल में कमजोर होने लगी क्योंकि राजतंत्र को ही उत्कृष्ट शासन पद्धति का आधार माना गया था।

(6) गणतांत्रिक राज्यों का चरित्र वास्तव में जनवादी था? —

(a) वास्तव में सभाओं पर कुलीनों का अधिकार

(b) गणराज्य के अधिकारियों द्वारा समकालीन राजतंत्रों के अधिकारियों की तरह पदवियाँ धारण करना जैसे सेनापति, महामात्त, अमात्य आदि।

(c) प्रशासकीय फरमान और राज्य कानूनों के माध्यम से जनसाधारण पर नियंत्रण। बौद्ध साहित्य में यह उल्लेख है कि पावानगर में बुद्ध के आगमन के अवसर पर मल्लों ने आदेश जारी किया जो लोग बुद्ध के सार्वजनिक स्वागत में सम्मिलित नहीं होंगे उन्हें दंड के रूप जुर्माना भी देना होगा।

(d) शाक्य किसी कन्या का विवाह अकुलीन राजा के साथ नहीं कर सकते थे।

(e) भोज-भात में जाति-बिरादरी के लोग ही शामिल हो सकते थे।

कुल-मिलाकर थे 13-?